सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 343 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 19 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं, यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।

-ब्रुशली

सात साल के काम नहीं बताते... 2 | यूपी चुनाव में डिजिटल प्रचार... 3 | देश में कोरोना की खतरनाक... 7

अखिलेश का एक और ऐलान

सपा की सरकार बनी तो जरूरतमंद महिलाओं को देंगे सालाना 18 हजार

» दोबारा शुरू करेंगे समाजवादी पेंशन योजना बीपीएल परिवारों को भी मिलेगी धनराशि

» राष्ट्रीय जन हित संघर्ष पार्टी और ऊदा देवी गौरव मंच ने दिया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज एक और बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर वे दोबारा समाजवादी पेंशन योजना शुरू करेंगे। इसके तहत जरूरतमंद महिलाओं और बीपीएल परिवारों को 18 हजार सालाना की पेंशन राशि दी जाएगी। पहले इसकी राशि 6 हजार सालाना थी।

उन्होंने कहा कि पिछली बार सपा सरकार में पचास लाख गरीबों और महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला था। बुंदेलखंड का कोई भी गरीब परिवार नहीं होगा, जिसे समाजवादी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिला। सपा सरकार ने गरीबों को समाजवादी पेंशन योजना से जोड़कर उनकी मदद की। लोहिया आवास भी दिए गए थे। वाराणसी के मुसहर समाज के लोगों को भी लोहिया आवास और पेंशन योजना से जोड़ा गया था। इसके पहले भानु प्रताप सिंह की राष्ट्रीय जन हित संघर्ष पार्टी और ऊदा देवी गौरव मंच ने सपा को अपना समर्थन दिया। इसके अलावा भाजपा के दर्जा प्राप्त मंत्री रहे राम हृदय राम समेत कई भाजपा नेता आज सपा में शामिल हो गए।

अपर्णा को नेताजी ने समझाया लेकिन वे नहीं मानीः अखिलेश

अपर्णा यादव के भाजपा में जाने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि अपर्णा यादव को नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने काफी समझाया था लेकिन वह नहीं मानी। उन्होंने अपर्णा को भाजपा में जाने की बधाई दी। अपर्णा क्या टिकट नहीं मिलने पर गईं? इस सवाल पर अखिलेश ने कहा कि टिकट अभी पूरे नही बांटे गए हैं, यह इंटरनल रिपोर्ट और जनता के मन पर निर्भर होता है कि किसे टिकट मिलेगा और किसे नहीं।

"सपा सरकार ने समाजवादी पेंशन योजना से जोड़कर हमेशा गरीबों की मदद की"

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

पार्टी जहां से कहेगी वहां से लड़ूंगा चुनावः सपा प्रमुख

विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद यूपी का सियासी पारा चरम पर पहुंच चुका है। भाजपा को प्रदेश की सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मोर्चा संभाल लिया है। अब वे खुद चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। अखिलेश यादव अभी आजमगढ़ से सांसद हैं। हालांकि जब अखिलेश यादव से चुनाव लड़ने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि आजमगढ़ की जनता से अनुमति लूंगा और पार्टी जहां से कहेगी वहां से चुनाव लड़ूंगा।

कोरोना से मृत लोगों के परिजनों को मुआवजा नहीं देने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

» बिहार और आंध्रप्रदेश सरकार को लगाई फटकार, दोनों राज्यों के प्रमुख सचिव तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना से हुई मौतों के बाद उनके परिजनों को मुआवजा उपलब्ध न कराने पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रूख अपनाया है। कोर्ट ने आंध्र प्रदेश व बिहार सरकार को फटकार लगाते हुए इन राज्यों के प्रमुख सचिवों को तलब किया है। इन राज्यों में कोर्ट के आदेश के बाद भी मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि का भुगतान नहीं किया गया।

कोरोना वायरस के कारण जान गंवा चुके लोगों के परिजनों को मुआवजा नहीं मिलने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवायी जारी है। मुआवजा राशि का भुगतान नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने बिहार और आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिवों को तलब किया। कोर्ट ने दोनों राज्यों के प्रमुख सचिवों को वर्चुअल सुनवाई के लिए पेश होने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि कोर्ट ने पिछले साल कोरोना से होने वाली हर मृत्यु के लिए 50 हजार का मुआवजा देने का आदेश दिया था।

सपा को झटका, अपर्णा ने थामा भाजपा का दामन

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने दिलाई पार्टी की सदस्यता

» मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू हैं अपर्णा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा ने सपा को आज बड़ा झटका दिया है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने भाजपा की सदस्यता दिलायी।

चुनाव से पहले भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद अपर्णा यादव ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और अनिल बलूनी का धन्यवाद करती हूं। मैं प्रधानमंत्री जी से पहले से प्रभावित रहती थी, मेरे लिए सर्वप्रथम राष्ट्र है। अब मैं राष्ट्र की आराधना के लिए निकली हूं।

इसमें आपका सभी का सहयोग अनिवार्य है। जो भी कर सकूंगी अपनी क्षमता से करूंगी। साथ ही उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पार्टी जहां से भी कहेगी वे चुनाव लड़ेंगी।

गौरतलब है कि विधान सभा चुनाव से पहले राज्य के दोनों प्रतिद्वंद्वी दलों सपा और भाजपा के बीच नेताओं के दलबदल के इस दौर में अपर्णा के भाजपा में शामिल होने को चुनावी राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

पांचों राज्यों में भाजपा हाइब्रिड रैलियां करेगी : नड्डा

» भाजपा पहले से ही सोशल मीडिया व आनलाइन प्रचार माध्यमों पर अन्य दलों के मुकाबले ज्यादा सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

यूपी में सात चरणों में होगा मतदान

उप्र की 403 विधानसभा सीटों के लिए 10 फरवरी से 7 मार्च तक सातों चरणों में मतदान होगा। वहीं मणिपुर की 60 सदस्यीय विस के लिए 27 फरवरी व 3 मार्च को वोटिंग होगी। पंजाब की सभी 117 सीटों के लिए 20 फरवरी को एक चरण में मतदान होगा। पहले वहां 14 फरवरी को मतदान होना था, लेकिन रविदास जयंती के कारण इसे बढ़ाकर 20 फरवरी किया गया है। उत्तराखंड की सभी 70 व गोवा की सभी 40 सीटों पर एक ही चरण में 14 फरवरी को मतदान होगा। पांचों राज्यों में मतगणना 10 मार्च को एक साथ होगी।

लखनऊ। पांच राज्यों में जारी विधानसभा चुनाव के दौरान वर्तमान में रैलियों, रोड शो व सभाओं पर जारी रोक को देखते हुए भाजपा ने हाइब्रिड तरीके से प्रचार की रणनीति बनाई है। देश में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए चुनाव आयोग ने 22 जनवरी तक फिजिकल रैलियों व रोड शो पर पाबंदी लगा रखी है। ऐसे में भाजपा ने तय किया है कि वह हाइब्रिड रैलियां करेगी। भाजपा पहले से ही सोशल मीडिया व आनलाइन प्रचार माध्यमों पर अन्य दलों के मुकाबले ज्यादा ही सक्रिय है। उसके नेताओं को भी इसमें महारथ हासिल है।

इसलिए उसने पांचों चुनावी राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और मणिपुर में हाइब्रिड रैलियां करने का फैसला किया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने कोविड गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए पार्टी के प्रचार अभियान की नई रणनीति बनाई है। पार्टी जहां छोटी रैलियां करेंगी, वहीं उनका सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से सीधा प्रसारण किया जाएगा।

इस तरह पार्टी एक रैली के जरिए एक से दो लाख लोगों तक अपनी बात पहुंचा सकेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विभिन्न नेताओं से परामर्श के बाद प्रचार की नई रणनीति बनाई है। इसमें तय किया गया है कि पार्टी के बड़े नेताएं छोटी-छोटी सभाएं करेंगे, लेकिन इन रैलियों का विभिन्न इलाकों में सीधा प्रसारण किया जाएगा। सीधे प्रसारण के अलावा भी विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर इन्हें प्रसारित किया जाएगा। चुनाव आयोग ने 15 जनवरी को पांचों चुनावी राज्यों में फिजिकल रैलियों, रोड शो व सभाओं पर पाबंदी बढ़ाकर 22 जनवरी तक कर दी है। इन पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव की शुरुआत 10 फरवरी को पहले चरण के मतदान से हो रही है। 10 मार्च को मतगणना के साथ ही ये चुनाव संपन्न होंगे। इससे पहले पांचों चुनावी राज्यों के चुनाव कार्यक्रम का एलान करते हुए 8 जनवरी को आयोग ने देश में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए 15 जनवरी तक इन राज्यों में भौतिक प्रचार पर रोक लगा दी थी।

अखिलेश यादव का प्रचार करेंगी ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। ये दोनों सपा एवं गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के केके शर्मा को बुलंदशहर जिले की अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित किया है। एक सीट तृणमूल कांग्रेस को भी देने की उम्मीद है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार करने का निमंत्रण दिया है। इन दोनों ने चुनाव प्रचार पर हामी भर दी है। माना जा रहा है कि वर्चुअल रैली होने की वजह से दोनों आसानी से विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में प्रचार कर सकेंगे। जब आयोग की ओर से खुली रैली की छूट दी जाएगी तो वे उत्तर प्रदेश भी आएंगे।

इमरान मसूद को अब बसपा से आस, हाथी पर सवार होकर लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी से टिकट की आस में कांग्रेस में हाथ छोड़ने वाले इमरान मसूद अब बहुजन समाज पार्टी का दामन थाम सकते हैं। खबर है कि इमरान मसूद अब बसपा के टिकट पर नकुड़ से चुनाव लड़ सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, इमरान मसूद गुरुवार दोपहर तक इसकी घोषणा कर सकते हैं। वहीं इमरान के साथ कांग्रेस छोड़ने वाले मसूद अख्तर कांग्रेस में वापस जा सकते हैं और अपनी वर्तमान सीट सहारनपुर देहात से चुनाव लड़ सकते हैं। पश्चिमी यूपी के कद्दावर मुस्लिम नेता में शुमार इमरान मसूद विधानसभा चुनावों की तारीख के ऐलान के साथ ही कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे, लेकिन अखिलेश यादव से उन्हें टिकट को लेकर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं मिला। उधर इमरान मसूद का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उसमें वो मुसलमानों को नसीहत देते हुए कह रहे हैं कि 'मुझे कुत्ता बना दिया।

हरक सिंह रावत को कांग्रेस दे सकती हैं तीन सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा से निष्कासित किए गए पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत फिर से कांग्रेस का हाथ थाम सकते है। हरक सिंह के साथ उनकी बहू अनुकृति भी कांग्रेस जॉइन करेंगी। रावत अपनी बहू के साथ दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस का हाथ थाम सकते हैं। वहीं हरक सिंह रावत ने कहा कि मैंने कांग्रेस पार्टी के नेताओं से बात की है। वह मुझे जल्द ही अपना निर्णय बताएंगे और मैं उसी के आधार पर अपने फैसले लूंगा।

उन्होंने कहा कि वह हरीश रावत मेरे बड़े भाई हैं। मैं उनसे सौ बार माफी मांग सकता है। मैं उत्तराखंड का विकास चाहता हूं। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस में अब टिकटों की घोषणा हरक एपीसोड के पूरा होने के बाद ही होगी। वहीं पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी ने फंसी हुई सीटों पर एक बार फिर मंथन बैठक कर पैनल तैयार कर लिए हैं, जिन्हें सीईसी को सौंपा जाएगा। भाजपा ने हरक सिंह रावत को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया।धामी ने भी सख्ती और तेजी दिखाते हुए हरक की मंत्रिमंडल से छुट्टी कर दी थी।

तीर्थ पुरोहितों ने भी ठोकी ताल, टिकट नहीं दिए तो वोट नहीं देंगे बीजेपी को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किलें एक के बाद एक बढ़ रही हैं। प्रत्याशियों के नाम फाइनल करने की तरफ बढ़ रही भाजपा के सामने अब एक नई धमकी तीर्थ पुरोहितों की ओर से आ गई है। तीर्थ पुरोहितों ने भी अब चारों धामों में स्थित विधानसभा सीटों पर अपनी दावेदारी ठोक दी है और 2 सीटों पर अपने कैंडिडेटों को टिकट देने की मांग की है।

यही नहीं, तीर्थ पुरोहितों का साफ कहना है कि अगर भाजपा ने उनकी मांग नहीं मानी, तो तीर्थ से जुड़े अनुयायियों के वोट मिलने का मौका पार्टी गंवा देगी। केदारनाथ धाम के तीर्थ पुरोहितों ने भाजपा से चारों धाम की विधानसभाओं में से 2 सीटों पर तीर्थ पुरोहितों को टिकट देने की मांग की है। तीर्थ

पुरोहित संतोष त्रिवेदी ने अपने बयान में साफ तौर पर कहा कि पिछले कुछ सालों से यह मांग की जाती रही है और चुनाव चूंकि अब नजदीक आ गए हैं, तो भाजपा से स्पष्ट मांग करने का सही समय है। पुरोहितों का कहना है कि भाजपा ने देवस्थानम बोर्ड भंग कर बदरी-केदार मंदिर समिति में अपने कार्यकर्ता को अध्यक्ष के तौर पर बिठा दिया। ऐसे में तीर्थ पुरोहितों को भी विधानसभा चुनाव में टिकट मिलना चाहिए। पुरोहितों ने चेतावनी देते हुए कहा कि दो सीटों पर अगर उम्मीदवार उनका न हुआ, तो भारतीय जनता पार्टी को पुरोहितों का एक भी वोट नही मिलेगा।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

सात साल के काम नहीं बताते, सिर्फ 70 साल का पूछते हैं हिसाब : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस महासचिव ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव संवाद के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव के पहले शिलान्यास हो रहे हैं, लेकिन पीएम मोदी और भाजपा यह नहीं बताते कि पिछले पांच-सात साल में क्या काम हुए। वे ये पूछते हैं कि 70 साल में क्या हुआ। यह नहीं बताना चाहते कि खुद क्या किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महिलाओं की ऊर्जा को

नियंत्रित करने की बात करते हैं। यह भाजपा की महिलाओं के प्रति विचारधारा को स्पष्ट करता है। प्रियंका ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम हैं। हमारी कई प्रत्याशियों पर पुलिस और सरकार ने अत्याचार किया। हमने फैसला किया है कि हम अत्याचार करने वालों के हाथ से सत्ता छीनेंगे। हस्तिनापुर सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार अर्चना गौतम पर आ रहे कमेंट के मामले में प्रियंका ने कहा कि अर्चना बहुत संघर्ष करके इस मुकाम पर पहुंची हैं। प्रियंका ने कहा, मैं ऐसी राजनीति चाहती हूं, जिसमें सकारात्मक बातें हों। विकास की बातें हों और आम लोगों की बातें हों। हो सकता है कि विपक्षी ये समझें कि हमारे प्रत्याशी कमजोर हैं, पर कांग्रेस ने उनको टिकट उन्हें मजबूत करने के लिए, दिया है। उन्होंने कहा कि कोविड के चलते मैराथन दौड़ रद्द करनी पड़ी। कांग्रेस ने ऑनलाइन प्रतियोगिताएं कराने का फैसला किया है। लड़कियां इसमें भाग ले सकती हैं। जो जनता के प्रति जवाबदेह नहीं हैं, वे जाति और धर्म के आधार पर वोट मांगते हैं।

यूपी चुनाव में डिजिटल प्रचार असमंजस में उम्मीदवार

» उम्मीदवारों की बात मतदाता तक पहुंचा रहे डिजिटल विशेषज्ञ

» सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर काफी हलचल पर धरातल पर नतीजा शून्य

सोशल मीडिया तकनीक की क्यों बढ़ी भूमिका

चुनाव विशेषज्ञ बताते हैं कि डिजिटल प्रचार करने वाले क्षेत्रफल के अनुसार आबादी को आसानी से टारगेट करते हैं। एक समय में लोगों को कैटेगिरी करके अलग से एवं ग्रामीण लोगों को जरूरत के हिसाब से रिझा सकते हैं। यही नहीं, पंचायतों में लोग सुनी-सुनाई बातों पर कम सोशल मीडिया पर विश्वास करते हैं, वे बातों में फंस जाते हैं, इसका फायदा सभी राजनीतिक दल उठाना चाहते हैं। इसी वजह से चुनाव में सोशल मीडिया तकनीक की भूमिका बढ़ गई है।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव के प्रचार पर कोरोना की मार हावी है। इससे चुनाव आयोग ने भौतिक रूप से होने वाली रैलियों पर रोक लगाई है। इससे अब डिजिटल प्रचार प्रसार पर जोर है। इस विधान सभा चुनाव में सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर काफी हलचल देखने को मिली है। चुनाव प्रचार होने से भौतिक रैलियां बंद होने से डिजिटल माध्यम एक अच्छा विकल्प बनकर उभर रहा है।

सोशल मीडिया के माध्यम से चुनावी पार्टियां और वोटरों को सीधे टारगेट करना आसान है। प्रत्याशी व इनके लिए काम करने वाले फ्री हैंडलेस वर्कर तकनीकी सलाहकारों से राय लेने लगे हैं। सोशल मीडिया मार्केटर डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, कंटेंट रणनीतिकारों की भूमिका डिजिटल प्रचार से बढ़ गई है। चुनाव प्रचार के लिए सोशल मीडिया तकनीकी प्रोफेशनल विभिन्न प्लेटफार्मस जैसे युट्यूब, फेसबुक, लिंकडिन, इंस्टाग्राम, जीमेल, वाट्सअप मैसेज- ग्रुप, टेलीग्राम, सिग्नल एवं ट्वीटर का प्रयोग प्रचार के लिए रैलियों पर रोक लगने से बढ़ेगा। सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार के लिए तकनीकी विशेषज्ञ बताते हैं कि वह उम्मीदवार का प्रचार उनके वोटरों तक पहुंच सके, उसकी प्लानिंग को अलग-अलग केटेगिरी के हिसाब से बताते हैं। किस प्रकार के प्रचार का कौन सा पोस्टर, वीडियो या कौन सा कंटेट दिखाना है, प्लान करके वोटर को डिजिटल के माध्यम से पहुंचाते हैं।

क्या कहते हैं डिजिटल विशेषज्ञ

तकनीकी सलाहकार आलोक पाण्डेय ने बताया कि कोरोना के कारण भौतिक रूप से रैलियों पर रोक लगने से चुनाव में डिजिटल प्रचार सबसे अच्छा तरीका है। नेता जिस वर्ग को संबोधित करना चाहते हैं या जिस क्षेत्र के लिए जनता को संबोधित करना चाहते हैं उस क्षेत्र में किए गए कार्यों को अपने संबोधन के दौरान बीच बीच में वहां की कुछ अच्छी इमेज, उनके छोटे-छोटे वीडियो पहले से बनाकर

अपनी जनता को दिखाते हैं। जिससे जनता उनके संवाद से जुड़ी रहेगी और डिजिटल रैली आकर्षक बनी रहेगी। एक्सपर्ट गौरव श्रीवास्तव का कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्सपर्ट कंप्यूटर विजन से चुनाव प्रचार करके प्रभावशाली बना सकते हैं। विपक्ष की आनलाइन रैली के वीडियो देखकर एक समीक्षा भी करना आसान होता है कि उनकी और हमारी रैली में कंटेंट में क्या अंतर है। इससे दूसरे डिजिटल सामग्री को और प्रभावशाली बनाकर अपने क्षेत्र की जनता तक पहुंचा सकते हैं। दूसरा फायदा यह भी है कि रैली में भीड़ जुटाने से यह पता नहीं चलता कि वह वास्तविक वोटर हैं भी या नहीं।

जनता को करते हैं आसानी से टारगेट

सोशल मीडिया विशेषज्ञ आसानी से राजनेताओं की डिजिटल रैलियां और बातें एक ही समय में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, व्यस्कों एवं युवाओं तक अलग से बेहद आसानी से पहुंचा सकते हैं। भौतिक रैलियों की अपेक्षा 10 गुना कम खर्च पर आसानी से वह डिजिटल के माध्यम से घर-घर प्रचार कर सकते हैं। वर्चुअल रैली के लिए क्रिएटिव कंटेंट का उपयोग अहम हुआ है। फिजिकल रैलियों में नेता आराम से जनता को अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हैं। परन्तु वर्चुअल माध्यम में ऐसा कर पाना मुश्किल होता है।

बसपा ने बिछायी बिसात, दलित वोटों को साधने को बनाया नया प्लान

खामियों को दूर करने में जुटी पार्टी, बढ़ायी जमीनी कसरत

» लखनऊ की सभी नौ सीटों के लिए बनायी रणनीति, पिछले चुनाव में नहीं खोल पायी थी खाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद प्रदेश का सियासी पारा चढ़ चुका है। भाजपा और सपा के साथ बसपा ने भी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। लखनऊ की नौ विधान सभा सीटों पर उसकी नजरें गड़ी हैं। इसके लिए जमीनी कसरत शुरू कर दी है। बसपा को उम्मीद है कि यदि पिछली खामियों को दूर कर दिया गया तो यहां उसका सियासी सूखा खत्म हो सकता है।

बसपा राजधानी लखनऊ की सभी नौ सीटों के लिए रणनीति बना चुकी है। जोर आजमाइश के इस मुकाबले में संघर्ष तगड़ा है मगर बसपा इन सभी सीटों पर कब्जा करने को पूरी ताकत झोंक रही है। 2017 के चुनावों परिणामों को देखा जाए तो बसपा का प्रदर्शन ठीक रहा मगर पार्टी नौ सीटों पर खाता खोलने में सफल नहीं हो सकी। विधान सभा वार बात की जाए तो बक्शी का तालाब में बसपा दूसरे स्थान पर रही। यहां बसपा ने अपनी लड़ाई मजबूती से लड़ी मगर भाजपा प्रत्याशी को मुकाबले में हरा न सकी। मलिहाबाद में बसपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। यहां कमल और साइकिल ने हाथी को काफी पीछे छोड़ दिया था। सरोजनी नगर सीट में हाथी ने साइकिल को कांटे की टक्कर दी थी। यहां हाथी महज 2530 वोटों से ही साइकिल से पीछे रहा। हालांकि इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी का प्रदर्शन काफी उम्दा रहा। लखनऊ पश्चिम की बात की जाए तो यहां भी हाथी काफी सुस्त रहा। नतीजतन कमल और साइकिल ने हाथी को काफी पीछे छोड़ दिया। हाथी की यही सुस्त चाल उत्तर विधान सभा, मध्य विधान सभा, कैंट और पूर्व विधान सभा क्षेत्र में भी देखने को मिली थी। इन चारों विधान सभा में भी बीएसपी उम्मीदवार को बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा था।

मोहनलालगंज सीट होगी खास

विधान सभा चुनाव 2017 में मोहनलालगंज सीट बसपा के लिए बेहद खास रही है। मोहनलालगंज में हाथी और साइकिल की रफ्तार बेहद आस पास रहीं। साइकिल और हाथी के बीच मामूली अंतर ने पूरा गेम पलट दिया था। बसपा प्रत्याशी को महज 530 मतों से न सिर्फ हार का सामना करना पड़ा बल्कि एक मजबूत सीट को भी गंवाना पड़ा। ऐसे में इस विधान सभा चुनाव में भी मोहनलालगंज सीट बसपा के लिए बेहद अहम रहेगी।

अन्य दल भी कर रहे घेराबंदी

लखनऊ की विधान सभा सीटों पर भाजपा, सपा समेत अन्य दल भी घेराबंदी करने में जुटे हैं। भाजपा घर-घर जाकर प्रचार में जुटी है तो सपा फ्री बिजली अभियान के जरिए लोगों तक पैठ बनाने की कोशिश कर रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महामारी ने फिर बढ़ायीं मुश्किलें

"पाबंदियों ने लोगों की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। कई देशों में नागरिक पाबंदियों के खिलाफ हैं। वहां की सरकारें भी जान और जहान के बीच सामंजस्य बैठाने में नाकाम हो रही हैं। भारत की हालत भी खराब है। यहां कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट की तीसरी लहर जारी है। कई राज्यों में पाबंदियां लागू हैं। हालांकि रोजी-रोजगार को रोका नहीं गया है लेकिन कई उद्योग धंधों पर इसका असर पड़ रहा है।

कोरोना ने एक बार फिर दुनिया में कहर बरपा दिया है। पाबंदियों ने लोगों की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। कई देशों में नागरिक पाबंदियों के खिलाफ हैं। वहां की सरकारें भी जान और जहान के बीच सामंजस्य बैठाने में नाकाम हो रही हैं। भारत की हालत भी खराब है। यहां कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट की तीसरी लहर जारी है। कई राज्यों में पाबंदियां लागू हैं। हालांकि रोजी-रोजगार को रोका नहीं गया है लेकिन कई उद्योग धंधों पर इसका असर पड़ रहा है। महंगाई की मार झेल रहे लोगों के लिए प्रतिबंध किसी चुनौती से कम नहीं है। पर्यटन समेत कई उद्योगों को झटका लगा है। सवाल यह है कि तमाम कोशिशों के बावजूद कोरोना संक्रमण नियंत्रित क्यों नहीं हो पा रहा है? क्या राज्य सरकारों और लोगों की लापरवाही के कारण हालात बदतर होते जा रहे हैं? क्या प्रतिबंधों के अलावा कोई दूसरा रास्ता सरकार के पास नहीं है? क्या सीमित दायरे में लगाई गयी पाबंदियों से संक्रमण को रोकने में कोई मदद मिल रही है? क्या रोजी-रोजगार के खत्म होने और महंगाई के बढ़ते जाने का असर देश की आर्थिक स्थिति पर नहीं पड़ेगा? क्या क्रय शक्ति को बढ़ाए बिना अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है?

पहली और दूसरी लहर ने देश की अर्थव्यवस्था को घुटनों के बल ला दिया है। लंबे लॉकडाउन के कारण लाखों लोग बेरोजगार हो गए। कई राज्यों में पलायन की स्थिति दिखी। बड़ी संख्या में श्रम शक्ति गांवों में पहुंच गयी। इसने शहरों की माली हालत को कमजोर कर दिया है। दूसरी लहर के बाद जैसे ही हालात में कुछ सुधार होता दिखा तीसरी लहर ने दस्तक दे दी। प्रतिबंधों के कारण बाजार फिर से डांवाडोल हो गया। सबसे अधिक असर पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। आवागमन न होने से यातायात व्यवस्था से जुड़े लोगों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। शादी समारोह टलने के कारण इससे जुड़े लोगों के सामने आर्थिक मुश्किलें खड़ी हो गयी हैं। होटल और इससे जुड़े लोग आर्थिक मुश्किलों से जूझने लगे हैं। निजी कार्यालयों में पचास फीसदी लोगों के काम करने के आदेश ने लोगों के सामने फिर से रोजी-रोटी का संकट खड़ा कर दिया है। रियल इस्टेट कारोबार को भी बड़ा झटका लगा है। लोग कोरोना को देखते हुए अतिरिक्त खर्च करने से बच रहे हैं। लिहाजा बाजार में पूंजी का प्रवाह मंद हो गया है। रही सही कसर महंगाई ने निकाल दी है। बावजूद इसके लोग लापरवाही बरत रहे हैं और संक्रमण बढ़ रहा है। सरकार को चाहिए कि वह प्रतिबंधों के बिना आर्थिक गतिविधियों को संचालित करने के विकल्प पर विचार करे। साथ ही कोरोना टीकाकरण से पूरे देश की जनता को आच्छादित करे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नई तकनीक के साथ रोजगार संरक्षण

भरत झुनझुनवाला

तमाम वैश्विक आकलनों के अनुसार भारत विश्व की सबसे तेज आर्थिक विकास हासिल करने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है। वैश्विक सलाहकारी संस्था प्राइस वाटरहाउस कूपर्स ने कहा है कि साल 2050 में भारत चीन के बाद विश्व की नंबर 2 अर्थव्यवस्था बन सकता है यदि आर्थिक सुधारों को लागू किया जाए। सामान्य रूप से वैश्विक संस्थाओं का दबाव रहता है कि जीएसटी, बुनियादी संरचना, पूंजी के मुक्त आवागमन और मुक्त व्यापार जैसे सुधारों को लागू किया जाए। गौर करने वाली बात यह है कि सुधारों के बावजूद हमारी आर्थिक विकास दर पिछले छह वर्षों में लगातार गिर रही है इसलिए इतना सही है कि हमें आर्थिक नीतियों में बदलाव करना पड़ेगा। लेकिन यह सही नहीं कि इन्हीं आर्थिक सुधारों के सहारे हम आगे बढ़ सकेंगे।

यहां विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था और आर्थिक विकास दर में गिरावट के विरोधाभास से भ्रमित नहीं होना चाहिए चूंकि हमारी कथित तेज विकास दर अंधों में काना राजा जैसी है। सत्य यह है कि हमारी आर्थिक विकास दर में गिरावट केवल आर्थिक नीतियों के बल पर नहीं संभल सकती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी चुनौती नई तकनीकों से सामंजस्य बैठाने की है। सेंट स्टीफेंस यूनिवर्सिटी कनाडा के प्रोफेसर मैथ्यू जानसन ने कहा है कि 2035 तक 50 प्रतिशत रोजगार का हनन हो जाएगा क्योंकि ये कार्य रोबोट द्वारा किये जायेंगे। भारत के लिए यह परिस्थिति विशेषकर दुरूह है क्योंकि बड़ी संख्या में युवा हमारे श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। यदि इन्हें आय अर्जित करने के समुचित अवसर नहीं मिलेंगे तो ये कुंठित होंगे और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होंगे। एक तरफ नई तकनीकों के उपयोग से रोजगार का हनन हो रहा है तो दूसरी ओर बड़ी संख्या में युवा श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। इस समस्या को और गंभीर बनाया है हमारी उन नीतियों ने, जिनमें छोटे उद्यमियों को बड़े उद्यमों से सीधे प्रतिस्पर्धा में खड़े होने के लिए कहा गया है। बड़े उद्योगों की उत्पादन लागत कम आती है। जैसे दवा का उत्पादन करने वाली बड़ी कम्पनी कच्चे माल को चीन से आयात करेगी, कंटेनर को ब्राजील से लाएगी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जर्मनी से आयात करेगी। इनके पास अच्छी गुणवत्ता के इंजीनियर होंगे। बड़े पैमाने पर भी उत्पादन करने से लागत कम आती है, जैसे घानी से तेल निकालने में लागत ज्यादा आती है जबकि एक्सपेलर में लागत कम आती है। इसलिए बड़े उद्योगों को बढ़ावा देकर हम सस्ते माल का उत्पादन अवश्य कर रहे हैं लेकिन इसमें रोजगार का हनन हो रहा है। हमारे सामने ही नहीं बल्कि विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि हम युवाओं को इस बदलते तकनीकी परिदृश्य में रोजगार उपलब्ध करायें। अंतरराष्ट्रीय सलाहकारी कंपनी आर्थर डी लिटिल और बैंक ऑफ अमेरिका ने कहा है कि स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहन और छोटे उद्योगों को सहायता देनी चाहिए लेकिन प्रोत्साहन पर्याप्त नहीं होगा। कारण यह कि छोटे उद्यमी की उत्पादन लागत ज्यादा आयेगी ही। इस समस्या का समाधान भारत सरकार द्वारा छोटे उद्योगों के क्लस्टर बनाकर हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। मनमोहन सिंह सरकार के समय एक कमेटी ने कहा था कि छोटे उद्योगों का विशेष स्थानों पर एक झुंड बना दिया जाए जैसे मुरादाबाद में पीतल के सामान का और लुधियाना में होजरी का तो ये बड़े उद्योगों का सामना करने में सक्षम हो सकते हैं। इनके कई कार्य सामूहिक स्तर पर किये जा सकते हैं जैसे कच्चे माल की गुणवत्ता की टेस्टिंग करना अथवा प्रदूषण नियन्त्रण के उपकरण सामूहिक रूप से स्थापित करना इत्यादि लेकिन इस नीति के बावजूद अपने देश में छोटे उद्योग पिट रहे हैं और रोजगार की समस्या गहराती जा रही है। छोटे उद्योगों को यदि जीवित रखना है तो उन्हें वित्तीय सहायता देनी होगी। हमें यह स्वीकार करना होगा कि छोटे उद्योगों द्वारा बनाये गये माल की लागत अधिक होगी। जैसे बड़े उद्योग में बनाई गयी टीशर्ट 200 रुपये में उपलब्ध हो सकती है तो छोटे उद्योग द्वारा 250 रुपये में। इस ऊंचे मूल्य को उपभोक्ताओं को वहन करना होगा। जो टीशर्ट हमें बड़ी कम्पनी से 200 में मिल सकती है उसे छोटे उद्योगों से 250 रुपये में खरीदना होगा। ऐसा क्यों किया जाए? हमारे सामने दो रास्ते हैं। यदि हम बड़े उद्योगों से उत्पादन करायेंगे तो बेरोजगारी बढ़ेगी, अपराध बढ़ेंगे, बेरोजगारी भत्ता देना होगा और अपराध से भी आर्थिक विकास का ह्रास होगा। इन बेरोजगारी भत्ते और अपराध के नियन्त्रण के मूल्य को यदि छोटे उद्योगों को आर्थिक सहायता के रूप में दे दिया जाए तो छोटे उद्योग चल निकलेंगे, उनके द्वारा रोजगार उत्पन्न होंगे और ये खर्च करने की सरकार को जरूरत नहीं पड़ेगी।

आधार को वोटर पहचान से जोड़ने के मायने

अजीत रानाडे

भारत को अपने निर्वाचन आयोग पर गर्व है, जो एक स्वतंत्र प्राधिकार के तौर पर संसद और विधानसभाओं के निष्पक्ष चुनाव के लिए जिम्मेदार है। इसकी छवि निरपेक्ष होने की है और यह सुनिश्चित करता है कि मतदाता बिना भय वोट डाल सकें तथा उम्मीदवारों को बराबरी का मौका मिले। 1950 की 26 जनवरी को भारतीय गणतंत्र की स्थापना के एक दिन पहले चुनाव आयोग का जन्म हुआ था। इस संस्था को जनप्रतिनिधि कानून, 1951 के प्रावधानों के अनुसार काम करना होता है। इस कानून में संशोधन का अधिकार केवल संसद को है। एक उल्लेखनीय संशोधन था चुनाव याचिकाओं को ट्रिब्यूनल से उच्च न्यायालयों को हस्तांतरित करना। इसी के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की याचिका की सुनवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय में हुई थी, जहां 1975 के उनके निर्वाचन को रद्द कर दिया गया था लेकिन इस कानून में बड़े संशोधन बहुत समय से लंबित हैं, मसलन- विधि आयोग की कई सिफारिशें लागू नहीं हुई हैं।

चुनाव आयोग ने भी प्रधानमंत्री और सरकार को कुछ अहम सुधारों को संसद में पारित कराने के लिए पत्र लिखा है। इनमें से सबसे अहम सुझाव अपराधी उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकना है। इस संबंध में मौजूदा प्रावधान बहुत कमजोर हैं और वे दागी लोगों को चुने जाने से रोकने में विफल रहे हैं। संसद से कार्रवाई न होने के कारण कुछ खामियों को ठीक करने के लिए अक्सर सर्वोच्च न्यायालय को दखल देना पड़ता है। इसी तरह मतपत्र पर नोटा का विकल्प, सजा पाये प्रतिनिधियों को पद से तुरंत हटाना, उम्मीदवारों द्वारा अपना आपराधिक रिकॉर्ड बताने जैसे प्रावधान लागू हो सके हैं, ये सब सुधार जनहित याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों से हो सके हैं।

राजनीतिक दलों को सूचना के अधिकार के तहत लाने की जन इच्छा अब भी अदालतों में लंबित है। यह भी एक जरूरी सुधार है। जब भी संसद ने कुछ करने की कोशिश की है, उसका इरादा संदिग्ध रहा है। इसका एक उदाहरण राजनीतिक चंदे को पारदर्शी बनाने के लिए लाया गया इलेक्टोरल बॉन्ड का मामला है। यह कानून चंदा देने और लेने वालों की पहचान जानना असंभव बना देता है तथा इसमें पारदर्शिता कहीं नहीं होती। एक हालिया उदाहरण पिछले महीने किया गया एक संशोधन है, जो आधार संख्या को चुनाव आयोग द्वारा जारी वोटर पहचान पत्र से जोड़ने के बारे में हैं। यह संशोधन 20 दिसंबर को लोक सभा में बिना किसी चर्चा के तथा अगले दिन राज्यसभा में ध्वनि मत से पारित हो गया, जबकि गिनती की जोरदार मांग हो रही थी। यह संशोधन 2018 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोधाभासी लगता है, जिसमें कहा गया है कि आधार सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य नहीं है। इसे केवल कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों के लिए सीमित उद्देश्य से जरूरी बनाया जा सकता है। दूसरी बात यह है कि आधार पहचान का एक प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। इसे कभी भी नागरिक होने का प्रमाण और मताधिकार की योग्यता नहीं होना था। मतदाता सूची तैयार करना चुनाव आयोग की अहम जिम्मेदारी है और इसे उसके अधिकार क्षेत्र के बाहर की किसी एजेंसी को नहीं दिया जा सकता है। आधार प्राधिकरण चुनाव आयोग के नियंत्रण में नहीं है। मतदाता सूची में बदलाव का अधिकार चुनाव पंजीकरण अधिकारी को है और इसके लिए शारीरिक सत्यापन जरूरी है। इसे आधार जैसे किसी अन्य प्राधिकार को नहीं सौंपा जा सकता है। जब 2015 में प्रायोगिक तौर पर निर्वाचन आयोग ने मतदाता पहचान पत्र से आधार को जोड़ने का काम शुरू किया था, तब सुप्रीम कोर्ट ने इसे रोक दिया था, लेकिन तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में इस प्रायोगिक परियोजना ने कुछ नुकसान पहुंचा दिया था। फोटो वाले मतदाता पहचान पत्र को आधार संख्या से जोड़ने के इस कार्यक्रम के कारण लाखों की संख्या में मतदाता प्रभावित हुए थे।

मतदाताओं के नामों के दोहराव को रोकने के प्रयास में तेलंगाना में लगभग 30 लाख और आंध्र प्रदेश में लगभग 21 लाख मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया था। इस मामले पर बहुत आपत्ति जतायी गयी थी। इनमें से किसी भी मतदाता को न तो अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया और न ही उनका नाम हटाने की प्रक्रिया ठोस सत्यापन पर आधारित थी, जैसा कि निर्वाचन आयोग आम तौर पर करता रहा है। तीसरी बात कि भले ही मौजूदा संशोधन में कहा गया है कि आधार से वोटर पहचान को जोड़ना स्वैच्छिक है, पर यह साफ नहीं है कि इसका मतलब क्या है। यह जोड़ने की प्रक्रिया पंजीकरण के समय होगी या मतदान करते समय ऐसा किया जायेगा? अगर बायोमेट्रिक तरीके से आधार संख्या का सत्यापन नहीं होगा, तो कैसे होगा? इसे स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया गया है। क्या चुनाव अधिकारी वोटर रिकॉर्ड पर टिक मार्क भर लगा देगा या वहां आधार संख्या लिखी जायेगी? अगर ऐसा होगा तो आधार संख्या निजता की बुनियादी जरूरत का उल्लंघन करते हुए सार्वजनिक हो जायेगी। कानून में लिखा गया है कि चुनाव अधिकारी को आधार संख्या नहीं दिखाने का कोई ठोस कारण देना होगा। इसका मतलब है कि साफ-साफ मना करना मंजूर नहीं किया जायेगा।

इन चीजों का करें सेवन
नहीं लगेगी सर्दी

आजकल जोरदार ठंड पड़ रही है। इस ठंड के मौसम में सर्दी के असर से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन शरीर को चाहे कितने ही गर्म कपड़ों से ढंक लिया जाए सर्दी से लड़ने के लिए शरीर में अंदरूनी गर्मी होनी चाहिए। शरीर में यदि अंदर से खुद को मौसम के हिसाब से ढालने की क्षमता हो तो सर्दी कम लगेगी और कई बीमारियां भी नहीं होंगी। यही कारण है कि ठंड में खानपान पर विशेष रूप से ध्यान देने को आयुर्वेद में बहुत महत्व दिया गया है। सर्दियों में यदि खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाए तो शरीर संतुलित रहता है और सर्दी कम लगती है।

मूंगफली

मूंगफली भी लेना लाभप्रद है। 100 ग्राम मूंगफली के भीतर ये तत्व मौजूद होते हैं, प्रोटीन-25.3 ग्राम, नमी-3 ग्राम, फैट्स-40.1ग्राम, मिनरल्स-2.4 ग्राम, फाइबर-3.1 ग्राम, कार्बोहाइड्रेट-26-1 ग्राम, ऊर्जा-567 कैलोरी, कैल्शियम-90 मिलीग्राम, फॉस्फोरस 350 मिलीग्राम, आयरन-2.5 मिलीग्राम, कैरोटीन-37 मिलीग्राम, थाइमिन-0.90 मिलीग्राम, फोलिक एसिड-20 मिलीग्राम। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, मिनिरल्स आदि तत्व इसे बेहद फायदेमंद बनाते हैं।

तिल

सर्दियों के मौसम में तिल खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। तिल के तेल की मालिश करने से ठंड से बचाव होता है। तिल और मिश्री का काढ़ा बनाकर खांसी में पीने से जमा हुआ कफ निकल जाता है। तिल में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे, प्रोटीन, कैल्शियम, बी-कॉम्प्लेक्स और कार्बोहाइड्रेट आदि। प्राचीन समय से खूबसूरती बनाए रखने के लिए तिल का उपयोग किया जाता रहा है।

बादाम

विशेषज्ञों का कहना है कि इसी तरह बादाम भी खाना श्रेयस्कर है क्योंकि बादाम कई गुणों से भरपूर होते हैं। इसका नियमित सेवन अनेक बीमारियों से बचाव में मददगार है। अक्सर माना जाता है कि बादाम खाने से याददाश्त बढ़ती है, लेकिन साथ ही यह अन्य कई रोगों से हमारी रक्षा भी करता है। इसके सेवन से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है, जो सर्दियों में सबसे बड़ी दिक्कत होती है। बादाम में डायबिटीज को नियंत्रित करने का गुण होता है। इसमें विटामिन-ई भरपूर मात्रा में होता है।

बाजरा

आयुर्वेद विशेषज्ञों का कहना हैं कि ठंड में ऐसी अनेक चीजें हैं जिनका सेवन करके हम अंदरूनी गर्मी पा सकते हैं, इन चीजों का सेवन अवश्यक करना चाहिये। जो अनाज शरीर में सबसे ज्यादा गर्मी देते हैं उनमें एक है बाजरा। सर्दी के दिनों में बाजरे की रोटी घी लगाकर खाएं। छोटे बच्चों को बाजरा की रोटी जरूर खाना चाहिए। इसकी खिचड़ी भी बनाकर खायी जा सकती है। बाजरे में कई स्वास्थ्यवर्धक गुण भी होते हैं। दूसरे अनाजों की अपेक्षा बाजरा में सबसे ज्यादा प्रोटीन की मात्रा होती है। इसमें वह सभी गुण होते हैं, जिससे स्वास्थ्य ठीक रहता है। ग्रामीण इलाकों में बाजरा से बनी रोटी व टिक्की को सबसे ज्यादा जाड़ो में पसंद किया जाता है। बाजरा में शरीर के लिए आवश्यक तत्व जैसे मैग्नीशियम, कैल्शियम, मैग्नीज, ट्रिप्टोफेन, फाइबर, विटामिन-बी, एंटीऑक्सीडेंट आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

संतरा

सर्दियों में वैसे तो रसीले फल लेने से परहेज करना चाहिये लेकिन मौसमी, संतरा जैसे खट्टे रसीले फल खाने चाहिये क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन सी होता है जो सर्दी-जुकाम से बचाने में सहायक होता है।

अदरक

एक और सस्ती और सर्वसुलभ चीज है अदरक। इस अदरक को रोजाना के खाने में शामिल कर बहुत सी छोटी-बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है। सर्दियों में इसका किसी भी तरह से सेवन करने पर बहुत लाभ मिलता है। इससे शरीर को गर्मी मिलती है और डाइजेशन भी सही रहता है।

शहद

शहद भी एक फायदेमंद चीज है। शरीर को स्वस्थ, निरोग और उर्जावान बनाए रखने के लिए शहद को आयुर्वेद में अमृत भी कहा गया है। यूं तो सभी मौसमों में शहद का सेवन लाभकारी है लेकिन सर्दियों में तो शहद का उपयोग विशेष लाभकारी होता है। इन दिनों में अपने भोजन में शहद को जरूर शामिल करें। इससे पाचन क्रिया में सुधार होगा और इम्यून सिस्टम पर भी असर पड़ेगा।

हंसना मना है

कॉलेज में लड़का लड़की से पूछता है तुम्हारा क्या नाम है। लड़की: मुझे सब दीदी बुलाते हैं। लड़का: मां कसम क्या संयोग है मुझे सब जीजा बुलाते हैं।

बीवी: जो आदमी रोज शराब पीकर आये उसके लिए मेरे मन में कोई हमदर्दी नहीं है..! पति: जिसको रोज शराब मिल जाये, उसे तुम्हारी हमदर्दी की जरूरत भी नहीं है!

पप्पू और उसकी पत्नी छत पर सोये हुए थे। पप्पू: जानू नींद नहीं आ रही है। पत्नी: तो किचन में बर्तन है, उसको धो डालो। पप्पू: अरे पगली मैं तो नींद में ही बोल रहा हूं, तू भी न क्या-क्या सोच लेती है।

मामा: बेटा इंटर के बाद आगे क्या करोगे। भांजा: बीटेक के लिए फॉर्म डाल रहा हूं। मामा: अगर रैंक अच्छी नहीं आई तो। भांजा: तो फिर कहीं से सिंपल ग्रैजुएशन कर लूंगा। मामा: अच्छा अगर इंटर में गलती से फेल हो गए। भांजा: तो फिर एक रिश्तेदार का मर्डर करेंगे, हमारी कुंडली में लिखा है।

जिंदगी घड़ी डिटर्जेंट से भी ज्यादा खराब हो गई है, लोग इस्तेमाल तो करते हैं लेकिन विश्वास नहीं करते!

कहानी | शक्ति जीवन है, दुर्बलता ही मृत्यु

एक बहुत बड़े ठेकेदार के यहां हजारों मजदूर काम करते थे। एक बार उस क्षेत्र के मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर दी। महीनों हड़ताल चलती रही। नतीजतन मजदूर भूखे मरने लगे और रोजी-रोटी कमाने के लिए दूसरी बस्तियों में चले गए, लेकिन दूसरी बस्तियों के गरीब मजदूर इस बस्ती में आ पहुंचे। ठेकेदार नित्य ही ऐसे लोगों की तलाश में रहता था, जो उसके ठेके का काम पूरा कर सकें। अत: एक दिन वह बस्ती के चौराहे पर आकर खड़ा हो गया। तभी एक मजदूर कंधे पर कुदाल रखे वहां आया। ठेकेदार ने उससे पूछा- क्या मजदूरी लेगा? मजदूर ने कहा- बारह आने। ठेकेदार ने उससे कहा -अच्छा दूंगा, जाकर मेरे ईंटों के भट्टे के लिए मिट्टी खोदो। इसके बाद एक दूसरा मजदूर वहां आया, ठेकेदार ने उससे भी मजदूरी पूछी। वह बोला-तीन रुपए। ठेकेदार ने उसे खान में कोयला खोदने भेज दिया। तीसरे मजदूर ने बड़े ताव से दस रुपए अपनी मजदूरी बताई। ठेकेदार ने उसे हीरे की खान में भेज दिया। शाम को तीनों मजदूरी लेने पहुंचे। पहले ने सौ टोकरी मिट्टी खोदी। दूसरे ने दस मन कोयला निकाला और तीसरे को एक हीरा मिला। तीनों के हाथ पर जब मजदूरी रखी गई तो पहला मजदूर तीसरे मजदूर के हाथ पर दस रुपए देखकर नाराज होने लगा। तब ठेकेदार बोला- तुम्हारी मजदूरी तुमने ही तय की थी। जिसमें जितनी शक्ति और इच्छा थी, उसने उतनी मजदूरी बताई और सभी ने काम भी उसी के अनुरूप किया है। यह सुनकर पहला मजदूर चुप हो गया। सार यह है कि शक्ति ही जीवन है, दुर्बलता ही मृत्यु है। अत: आशावादी, दृढ़ व अनुकूल विचारों को अपनाकर तदनुकूल कर्म करना चाहिए।

10 अंतर खोजें

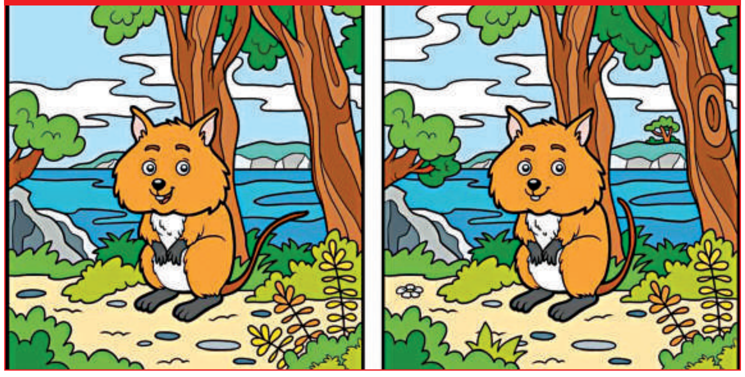

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर स्थान पर रहने वालों से बातचीत होगी। परिवार के सदस्यों से मदद मिलने के योग हैं। आर्थिक स्थिति अनुकूल हो सकती है।

वृषभ

ऑफिस में अधिकारियों का मूड ध्यान में रखकर कोई भी काम करें। आप फायदे में रहेंगे। करियर में आपके साथ कुछ अच्छा होने के योग बन रहे हैं।

मिथुन

कुछ काम से कंपनी या आपकी बिजनेस फर्म को बड़ा फायदा हो सकता है। आपका आत्म विश्वास बढ़ेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क

दुश्मन को कमजोर न समझें। आप थोड़े परेशान हो सकते हैं। विरोधियों के सामने आप लगभग अकेले ही रहेंगे।

सिंह

आप जो भी फैसले करेंगे उनका असर लंबे समय तक रहेगा। अपना नजरिया सही रखेंगे तो हर समस्या से निपटने में सफल हो सकते हैं।

कन्या

कोई पुराना दोस्त भी मिल सकता है। परिवार के साथ यात्रा होगी। आपकी सोच और व्यवहार दोनों सकारात्मक हो सकते हैं।

तुला

दोस्त या रिश्तेदार से कोई गिफ्ट मिलने की संभावना है। लाइफमें होने वाले किसी बड़े बदलाव के संकेत भी आपके सामने आ सकते हैं।

वृश्चिक

आप अपने व्यवहार और कोशिशों से दूसरों के साथ जितना तालमेल बनाकर चलेंगे उतने ही सफल हो जाएंगे।

धनु

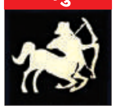

पैसों से जुड़े काम पूरे हो जाएंगे। लेखन, कला, चिकित्सा, कानून क्षेत्रों के लोग खासतौर पर सफल हो सकते हैं।

मकर

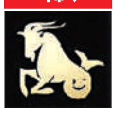

कम मेहनत का फल ज्यादा मिल सकता है। दिन अच्छा हो सकता है। खुद पर भी भरोसा रखें। कैसी भी स्थिति बने आपके फेवर में हो सकती है।

कुम्भ

जीवनसाथी के साथ अच्छे से समय बीतेगा। नौकरीपेशा लोगों को खास फ़ायदा नहीं मिल सकेगा। बस आप अपने काम से खुश रहेंगे।

मीन

ऑफिस में सम्मान मिलेगा। कुछ नई सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए समय सामान्य है।

बॉलीवुड | मन की बात

तनुश्री बोलीं- मैं मिस इंडिया यूनिवर्स हूं

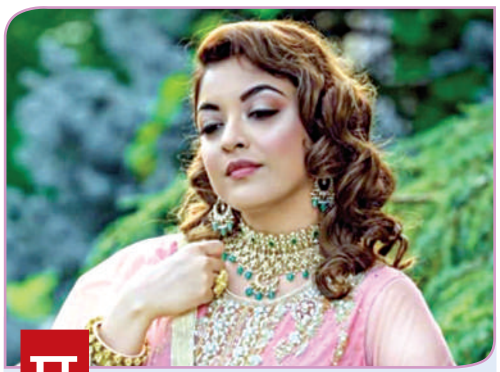

एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता कई फिल्म्स का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके साथ ही यह साल 2004 में फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। हाल ही में एक पोस्ट में तनुश्री ने विकिपीडिया पर अपनी नाराजगी जताई। दरअसल, विकिपीडिया पर तनुश्री को इंडियन मॉडल बताया गया है, जिसे देखने के बाद एक्ट्रेस काफी गुस्से में आ गईं। इंस्टाग्राम पर तनुश्री ने एक लंबी-चौड़ी पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने लिखा कि वह थक चुकी हैं एक इंडियन मॉडल के टाइटल को बदलते-बदलते, लेकिन हर बार लोग इसी एक चीज पर वापस आ जाते हैं। इसके साथ ही तनुश्री ने लोगों को याद दिलाया कि वह एक एक्ट्रेस हैं और मिस इंडिया यूनिवर्स जैसा ब्यूटी पेजेंट अपने नाम कर चुकी हैं। तनुश्री का कहना है कि विकिपीडिया पहला पेज होता है, जब किसी व्यक्ति को एक सेलेब के बारे में जानकारी हासिल करनी होती है। ऐसे में इस पेज पर मौजूद जानकारी लोगों को भटका सकती है। तनुश्री ने लिखा हेलो दोस्तों, कुछ ऐसी चीज है जो मुझे काफी वक्त से परेशान कर रही है। वह है मेरी विकिपीडिया प्रोफाइल। इस पर काफी जानकारी मेरे बारे में गलत लिखी हुई है। मुझे यह पेज केवल एक इंडियन मॉडल बताता है। जो मेरी सच्चाई है, उसके बारे में यहां कोई जानकारी नहीं है। मैंने कई बार इसे बदलने की कोशिश की है, लेकिन फिर से यह वही चीजें दिखाता है। मैं मिस इंडिया यूनिवर्स हूं और एक एक्ट्रेस भी, पता नहीं यह क्यों मुझे एक इंडियन मॉडल बताता है। जब भी कोई व्यक्ति किसी के काम या अवॉर्ड्स के बारे में जानने के लिए गूगल करता है तो यही पहला पेज है जो उसे दिखाई देता है और मेरे बारे में यहां जानकारी गलत दी हुई है। वैसे आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि साल 2022 में मेरे साथ बहुत कुछ अच्छा होने वाला है।

अनन्या पांडे ने समुद्र किनारे दिखाया ग्लैमरस अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सोशल मीडिया में काफी एक्टिव रहती है। सोशल मीडिया पर अनन्या कई बोल्ड बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती है। अनन्या ने अपनी मोनोकानी फोटोज से इंटरनेट का टेंपरेचर हाई करने के बाद अब शिमरी डीप प्लंजिंग नेकलाइन ड्रेस में बीच पर चिल करते हुए अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। फोटो में अनन्या का लुक किसी डीवा से कम नहीं हैं।

दरअसल, अनन्या पांडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट में तीन फोटो शेयर की हैं। इसमें उन्होंने एक डीप नेक प्लंजिंग वन पीस ड्रेस पहने देखा जा सकता है। उनके बाल खुले हुए हैं। उन्होंने मेकअप कर रखा है। इसके अलावा उन्होंने कानों में इअरिंग पहन रखी है। वह झूले पर बैठकर झूल रही है और वह कैमरे की ओर देख रही है। तस्वीर में अनन्या पांडे अगली फोटो में कैमरे से दूर देख रही हैं। वहीं तीसरी फोटो में अनन्या पांडे का पैर समुद्र की लहरों से टकराता हुआ नजर आ रहा है और वह झूले पर बैठी हुई है। वह कहीं और देख रही हैं और बोल्ड अंदाज में पोज कर रही हैं। अनन्या पांडे ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, 'समुद्र की आंखें।' उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

बता दें कि अनन्या पांडे ने सोशल मीडिया पर कई बोल्ड और हॉट तस्वीरें शेयर की है, जिन्हें फैंस काफी पसंद करते हैं। अनन्या पांडे की तस्वीरें रोहन श्रेष्ठ ने खिंची है जोकि श्रद्धा कपूर के बॉयफ्रेंड बताए जाते हैं। अनन्या पांडे ने इसके पहले भी हॉट अंदाज में फोटोशूट कराया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया है।

बॉलीवुड | मसाला

रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या ने लिया तलाक

फिल्म अतरंगी रे एक्टर धनुष ने पत्नी ऐश्वर्या संग अपने तलाक की बात सोमवार रात फैन्स संग साझा की। एक ज्वॉइंट स्टेटमेंट में दोनों ने 18 साल बाद अलग होने की बात लिखी। साथ ही फैन्स से गुजारिश की कि उनकी प्राइवेसी का ध्यान रखते हुए वे उनके फैसले की इज्जत करें। फैन्स यह खबर सुनकर शॉक्ड हो गए और इमोशनल पोस्ट शेयर करने लगे।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के धनुष और ऐश्वर्या पावर कपल माने जाते थे। दोनों का इस तरह अलग होना, पूरी इंडस्ट्री के लिए शॉकिंग रहा। सिर्फ इतना ही नहीं, ऐश्वर्या ने कुछ तीन महीने पहले ही खुद को प्राउड वाइफ बताया था।

साल 2021 में धनुष और रजनीकांत को नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया था। रजनीकांत को दादासाहब फाल्क अवॉर्ड मिला था और धनुष को बेस्ट एक्टर कैटगरी में नेशनल फिल्म अवॉर्ड फिल्म असुरन के लिए धनुष को यह अवॉर्ड मिला था। ऐश्वर्या ने यह अवॉर्ड सेरेमनी अटेंड की थी और साथ ही इसकी एक फोटो भी शेयर की थी। रजनीकांत और धनुष की साथ में फोटो शेयर करते हुए ऐश्वर्या ने लिखा था कि ये मेरे हैं, और यह इतिहास रचा गया है। प्राउड बेटी, प्राउड पत्नी ऐश्वर्या की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स और फैन्स ने रिएक्ट किया था।

अजब-गजब | ग्रामीणों ने प्रशासन से की अपने गांव का नाम बदलने की मांग!

गांव का नाम लेने में आती है शर्म

हम जहां पैदा होते हैं, उस जगह का नाम हमेशा गर्व से लेते है। भला ऐसा भी हो सकता है कि अपने गांव-घर का नाम बताने में किसी को शर्म आए? जी हां, ऐसा हो रहा है स्वीडन के एक गांव में रहने वाले लोगों के साथ। ग्रामीणों के लिए ये उनकी परेशानी का कारण बना हुआ ह। उनकी तकलीफ ये है कि वे सोशल मीडिया पर भी अपने गांव का नाम सेंसरशिप की वजह से नहीं लिख सकते।

आप भी सोच रहे होंगे कि भला ऐसा भी क्या नाम है इस गांव का, जो सोशल मीडिया पर लिखा नहीं जा सकता या फिर जिसे बताने में यहां के लोगों की गर्दन शर्म से झुक जाती है। वैसे तो इस नाम के लिए पूरा इतिहास जुड़ा हुआ है और उस वक्त शायद इस नाम को शर्मिंदगी का सबब नहीं माना जाता रहा होगा, लेकिन फिलहाल ये ग्रामीणों को दुख ही दे रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक स्वीडन (Sweden) के Fucke गांव में रहने वाले लोगों ने इसका नाम बदलने के लिए अभियान छेड़ा हुआ है. इससे पहले भी ऐसी अपील साल 2007 में Fjuckby गांव को लेकर की जा चुकी है, लेकिन इसे बदला नहीं गया था. चूंकि Fucke नाम ऐतिहासिक है और इसे

सन् 1547 में इस गांव को दिया गया था, इसलिए स्वीडन के नेशनल लैंड सर्वे डिपार्टमेंट को भी इसे बदलने में परेशानी हो रही है। हालांकि गांव वालों का कहना है कि वे अपनी मांग उठाते रहेंगे कि गांव का नाम बदलकर कुछ और रख दिया जाए। यहां कुल 11 घर हैं और इन लोगों का कहना है कि Fucke नाम बताने में उन्हें शर्म आती है।

स्थानीय टीवी चैनल से बात करते हुए एक ग्रामीण का कहना है कि उनका गांव शांत है और लोग यहां खुश हैं, फिर भी वे इस गांव का नाम बदलना चाहते हैं। इसकी वजह है- सोशल मीडिया सेंसरशिप (Social Media Censorship)। जिसके चलते इस तरह के नाम जो आपत्तिजनक या अश्लील लगते हैं, उन्हें हटा दिया जाता है। वे अपने किसी भी विज्ञापन को Facebook पर गांव के नाम के चलते नहीं डाल पाते। नाम बदलने से जुड़े मामलों में नेशनल लैंड ट्रस्ट को स्वीडन के नेशनल हेरिटेज बोर्ड और भाषा एवं लोककथा संस्थान से मिलकर फैसला लेना होता है। किसी भी नाम को बदलने से पहले उसके इतिहास के बारे में भी देखा जाता है।

पैसे वसूलने के चक्कर में महिला ने ठूंस ठूंसकर खाया, फिर पहुंची अस्पताल!

जब हम किसी रेस्टोरेंट में खाना खाते हैं, तो ज्यादातर लोग अपने पैसे वसूल करना ही चाहते हैं। हालांकि उस वक्त उन्हें अपने पेट का भी ख्याल रहता है, लेकिन एक महिला ने तो हद कर दी। वो बुफे में अपने पूरे पैसे वसूलने के लिए सुशी के 32 रोल खा गई और फिर उसकी जो हालत हुई, वो बेहद खौफनाक थी। 24 साल की डेनियल शाप्रियो अमेरिका की रहने वाली हैं और वे कैलिफोर्निया के एक रेस्टोरेंट में गई थीं। यहां उन्हें एक बार पेमेंट के बाद सब कुछ खाने की आजादी दी गई थी। यहां महिला कुछ ज्यादा ही लालची हो गई और उसने पैसे वसूलने के लिए बेतहाशा खाना शुरू कर दिया। इसका नतीजा ये हुआ कि बुफे से उसे सीधा अस्पताल ले जाना पड़ गया। ये घटना 21 दिसंबर 2021 की है। कैलिफोर्निया के माउंटेन व्यू वाले रेस्टोरेंट Sushi 85 में पहुंची डेनियल को प्रति व्यक्ति $50 यानि भारतीय मुद्रा में करीब 3700 रुपये चुकाने थे। महिला ने ये पैसे देने के बाद शुरू किया। देखते ही देखते डेनियल सुशी के 32 रोल, 4 डंपलिंग, 2 कटोरे सोयाबीन, 2 जैलेपीनो पॉपर्स और एक कटोरा मिसो सूप पी गई. पेशे से रियल एस्टेट एजेंट डेनियल ने इतना सब कुछ खा तो लिया, लेकिन उन्हें इसके बाद पेट में भयानक दर्द शुरू हो गया और अस्पताल में एडमिट होना पड़ा। डॉक्टर्स ने उन्हें गैस और एसिडिटी की दिक्कत बताई। डेनियल ने टिकटॉक पर इस घटना से जुड़ा वीडियो शेयर किया है, जिसे 11.3 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेस्ट फ्रेंड अमांडा के साथ वे सुशी खाने गई थीं क्योंकि उन दोनों को ये काफी पसंद है। उन दोनों ने 3700 रुपये चुकाकर पैसे वसूल करने के चक्कर में कुल 2 घंटे तक खाना खाया। फिर उन्होंने अपने हॉस्पिटल जाने का भी वीडियो लोगों से शेयर किया है। हालांकि इस घटना के बाद भी डेनियल का सुशी प्रेम कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वे आगे भी अपना पसंदीदा खाना खाती रहेंगी, सिर्फ उसकी मात्रा कम रखेंगी।

देश में कोरोना की खतरनाक रफ्तार चौबीस घंटे में 2.82 लाख संक्रमित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना की तीसरी लहर की रफ्तार बेकाबू होती जा रही है। बीते चौबीस घंटे में 2.82 लाख लोग वायरस की चपेट में आए हैं जबकि इस दौरान 1441 लोगों की मौत हुई है। मौतों के आंकड़ों ने केंद्र और राज्य सरकारों की टेंशन बढ़ा दी है।

देश के कुछ राज्यों में भले ही कोरोना की रफ्तार थोड़ी धीमी हो गई हो लेकिन कई राज्यों से डराने वाली खबरें आ रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के दो लाख 82 हजार 970 नए मामले आए हैं। यह कल की तुलना में 44,952 अधिक है। इस दौरान 1441 लोगों की मौत हुई है और एक लाख 88 हजार 157 लोग स्वस्थ भी हुए। वहीं कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक सप्ताह के भीतर 250 फीसदी मामले बढ़ गए। विशेषज्ञों के अनुसार महानगर में जिस रफ्तार से कोरोना का प्रसार हो रहा है उससे लग रहा है कि यहां 25 जनवरी तक तीसरी लहर का पीक आ जाएगा। राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बेंगलुरु में बीते 24 घंटे में 35 हजार मामले सामने आए हैं। इससे पहले 11 जनवरी को यहां 10 हजार मामले ही आए थे। वहीं 50 फीसदी किशोर-किशोरियों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगने पर पीएम मोदी ने बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि राह दिखा रहा युवा और युवा भारत! यह उत्साहवर्धक खबर है। आइए गति बनाए रखें। सभी कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें और टीकाकरण कराएं। हम सब मिलकर इस महामारी से लड़ेंगे।

» कल की तुलना में 45 हजार मरीज अधिक मिले

» 1441 लोगों की मौत ने बढ़ाई केंद्र व राज्य सरकारों की टेंशन

लखनऊ : केसों में उतार-चढ़ाव जारी

लखनऊ। राजधानी में कोरोना के नए संक्रमितों की संख्या में उतार-चढ़ाव जारी है। मंगलवार को राजधानी में 2173 नए संक्रमित मिले हैं। यह संख्या शनिवार को (2716) मिले संक्रमितों की संख्या से कम है। वहीं, कोरोना को मात देने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। मंगलवार को जहां 3007 व्यक्ति कोरोना संक्रमण से ठीक हुए वहीं सक्रिय मामलों की संख्या भी घट कर 16823 रही। मंगलवार को गोसाईगंज निवासी एक व्यक्ति की कोरोना से मृत्यु भी हुई है। एक सप्ताह में दो लोगों की कोरोना से मृत्यु हो चुकी है। कोरोना वायरस संक्रमित में कांटैक्ट ट्रेसिंग के 942 नए मामले सामने आए हैं वहीं सर्दी-जुखाम और बुखार जैसे हल्के लक्षणों के आने पर जांच करवाने वालों की संख्या बढ़ गई है। हल्के लक्षणों वाले 448 व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। बाहर की यात्रा कर वापस लौटे 193 व्यक्तियों में संक्रमण पाया गया है। चिनहट और अलीगंज में लगातार नए संक्रमितों का आंकड़ा बढ़ रहा है। मंगलवार को चिनहट में 399, अलीगंज में 379, आलमबाग में 361, सिल्वर जुबली में 254, इंदिरा नगर में 233, नवल किशोर रोड पर 185, सरोजिनी नगर में 180, रेडक्रास में 96, टुड़ियागंज में 89 और ऐशबाग में 48 नए व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

बड़े भाई और भतीजे को मारी गोली आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। जनपद में थाना जगदीशपुरा के नगला अजीता में आनंद पाराशर (50) और उनके बेटे विकास (29) को मंगलवार रात को गोली मार दी गई। इसका आरोप आनंद के छोटे भाई चंद्र कुमार पाराशर पर है। विवाद घर में लगे फ्यूज बल्ब को बदलने को लेकर हुआ। मारपीट के बाद छोटे भाई ने लाइसेंसी बंदूक से दो फायर किए, जिसमें बड़ा भाई-उनका पुत्र घायल हो गए।

थाना जगदीशपुरा के प्रभारी निरीक्षक प्रवीन्द्र कुमार ने बताया कि आनंद पाराशर और चंद्र प्रकाश एक ही मकान में रहते हैं। घर की पहली मंजिल पर आनंद रहते हैं जबकि भूतल पर चंद्र कुमार पाराशर। मंगलवार रात दोनों भाइयों में बल्ब बदलने को लेकर विवाद हुआ। आनंद का कहना था कि वे हर बार खराब बल्ब बदलते हैं। उन्होंने छोटे भाई से बल्ब बदलने के लिए कहा। उन्होंने बल्ब बदलने से मना कर दिया। उनमें विवाद के दौरान मारपीट हुई। आनंद का आरोप है कि छोटा भाई लाइसेंसी बंदूक निकाल लाया। उसने दो फायर कर दिए, जिसमें उनके छर्रे लग गए जबकि बेटे विकास को सिर में गोली लगी। दोनों घायल हो गए।

पंजाब कांग्रेस में कलह जारी, अब मंत्री गुरजीत को पार्टी से निकालने की मांग

» चार विधायकों ने सोनिया को लिखा पत्र, पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद भी पंजाब कांग्रेस में कलह थमने का नाम नहीं ले रही है। अब विधायकों ने मंत्री राणा गुरजीत को पार्टी से निकालने की मांग तेज कर दी है। उन्होंने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस संदर्भ में पत्र भी लिखा है।

कैबिनेट मंत्री राणा गुरजीत सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राणा के बेटे इंद्रप्रताप की ओर से सुल्तानपुर लोधी से आजाद चुनाव लड़ने की घोषणा के अगले दिन चार कांग्रेस विधायकों ने राणा गुरजीत सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इन्होंने पार्टी हाईकमान को पत्र भेजकर राणा गुरजीत सिंह को पार्टी से निकालने की मांग कर डाली है। दोआबा के चार नेताओं ने पार्टी प्रधान सोनिया गांधी को पत्र लिखकर राणा की कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों का हवाला देते हुए निष्कासित करने की मांग की है। इसकी पुष्टि सुल्तानपुर लोधी से कांग्रेस उम्मीदवार नवतेज सिंह चीमा ने की। उन्होंने बताया कि यह पत्र पार्टी प्रधान को ईमेल के जरिए भेजा गया है। पार्टी हाईकमान ने 86 उम्मीदवारों की सूची जारी करने के बाद राणा गुरजीत सिंह ने अपने बेटे इंद्र प्रताप राणा को सुल्तानपुर लोधी से आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इससे कलह तेज हो गयी है।

फर्नीचर गोदाम में आग मालिक भी झुलसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। बड़ौत शहर में आज तड़के हाईवे स्थित लकड़ी के गोदाम में आग लग गई। आग की चपेट में गोदाम मालिक भी झुलस गया। दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने आग बुझायी।

शहर के शगुन फार्म हाउस के बराबर में विद्या हार्डवेयर एंड प्लाइवुड के नाम से मनोहर लाल जैन अनुराग जैन का फर्नीचर व लकड़ी का गोदाम है। मंगलवार की देर शाम गोदाम मालिक गोदाम को बंद कर घर चले गए थे। आज तड़के पड़ोस में रहने वाले लोगों ने उन्हें सूचना दी कि गोदाम में आग लगी हुई है, जिसके बाद गोदाम मालिक व अन्य लोग मौके पर पहुंचे। हादसे की जानकारी दमकल विभाग को भी दी गई। इसी दौरान आग को गोदाम मालिक व कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया। इस दौरान दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग बुझाने का प्रयास करते गोदाम मालिक विवेक जैन भी चपेट में आकर झुलस गए।

दल-बदल तेज, पूर्व सेना प्रमुख समेत कई नेता भाजपा में शामिल

» पंजाब में अकाली दल और कांग्रेस के नेताओं को दिलाई गयी सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल, कांग्रेस और सपा को बड़ा झटका देते हुए मंगलवार को कई बड़े नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। इनमें पूर्व सेना प्रमुख जनरल जेजे सिंह प्रमुख चेहरा रहे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री व पंजाब भाजपा चुनाव प्रभारी गजेंद्र सिंह शेखावत ने सदस्यता दिलायी।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पंजाब की सबसे बड़ी समस्या नशा है, इसे खत्म करने के बजाय आम आदमी पार्टी ने पंजाब में एक ऐसे चेहरे को मुख्यमंत्री बनाने का ऐलान किया है जो हमेशा नशे में रहता है। पंजाब की जनता को नशे से मुक्ति चाहिए, नशा करने वाला नेता नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब के भाईचारे को मजबूत कर रही है। डॉ. सुभाष शर्मा ने बताया कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद पर नियुक्त हो चुके पहले सिख व अरुणाचल प्रदेश के पूर्व गवर्नर व कैप्टन अमरिंदर सिंह के विरुद्ध विधानसभा चुनाव लड़ने वाले जनरल जेजे सिंह (पटियाला), पूर्व विधायक शरणजीत ढिल्लों के छोटे भाई पंजाब मिल्कफैड चेयरमैन अजमेर सिंह, एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश मंत्री व यूथ डेवलपमेंट बोर्ड पंजाब के महामंत्री कर्ण लेहल , पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रदेश मंत्री व पंजाब कांग्रेस के पूर्व ऑर्गनाइजिंग मंत्री व पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एडवोकेट सुरिंदर पल सिंह आहलुवालिया, सपा नेता बलराम सिंह यादव आदि पार्टी में शामिल हुए।

शीतलहर से कांपा उत्तर प्रदेश बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई सर्दी

» धूप भी रही बेअसर ग्रामीण क्षेत्रों में धुंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शीतलहर से उत्तर प्रदेश में ठिठुरन बढ़ गयी है। राजधानी में आसमान साफ रहा लेकिन बर्फीली हवाओं ने शहर वासियों को पूरे दिन कंपकंपाया। सुबह से ही खिली धूप हवाओं की गलन के सामने बेअसर रही। मौसम विभाग की ओर से सुबह के समय घने कोहरे और दिन के समय में भी अत्यधिक ठंड की चेतावनी जारी की गई है।

राजधानी का अधिकतम तापमान सामान्य से 9.4 डिग्री सेल्सियस घटकर 12.2 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.0 डिग्री सेल्सियस घटकर 4.5 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया। वहीं प्रदेश भर में मौसम में शुष्कता बनी रही लेकिन देश के पश्चिमी इलाकों में होने वाली भारी बर्फबारी का असर पूरे प्रदेश में दिखाई दिया जिससे प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में भीषण ठंडे दिन और शीतलहर की स्थिति बनी रही और देर सुबह तक ग्रामीण अंचलों में धुंध छाई रही।

भाजपा के लिए मुसीबत बनेगा किसान आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

» सपा गठबंधन को मिल सकता है फायदा

लखनऊ। एक साल तक चले किसान आंदोलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अंततः इस आंदोलन ने तीनों कृषि कानूनों के मुद्दे पर सरकार को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया लेकिन क्या किसान सिर्फ इतने से संतुष्ट हो गया है? क्या किसान पूरे साल की जलालत को भूल चुके हैं? ऐसे सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, ममता त्रिपाठी, अनिल रॉयल, के.पी. मलिक, प्रो. रविकांत, किसान नेता पुष्पेन्द्र सिंह और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ चली लंबी परिचर्चा में।

अशोक वानखेड़े ने कहा राकेश टिकैत ने कहा कि हम किसी के साथ नहीं तो फिर क्या आप लखीमपुर कांड भूल गए। किसानों की शहादत भूल गए। आखिर आप केंद्र को जवाब कैसे देंगे। बात जाट-मुसलमान की नहीं बल्कि किसानों की व्यथा को ध्यान में रखते हुए वहां के लोग वोट करेंगे। किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह ने कहा अखिलेश के अन्न संकल्प लेने से किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है। सपा और रालोद ने जो टिकट का बंटवारा किया है, उसमें रालोद को फायदा मिलेगा। केपी मलिक ने कहा कि वेस्ट यूपी में जाटों का वोट मायने रखता है। महेंद्र सिंह टिकैत बड़े नेता थे। किसान आंदोलन का फायदा मिला राकेश टिकैत को। जयंत को अकेले चुनाव लड़ना चाहिए था, जिसका फायदा मिलता। अनिल रॉयल ने कहा, गठबंधन को जो हरा-भरा दिख रहा है, इस चुनाव में ऐसा नहीं है। पूर्वांचल के आधार पर निर्णय कर रहे हैं अखिलेश मगर वेस्ट यूपी में बीजेपी आगे है। चुनाव परिणाम में इसका असर दिखेगा। प्रो. रविकांत ने कहा पूर्वांचल में 164 सीटें है और इस बार वहां बीजेपी गर्त में है। राजभर के गठबंधन में आ जाने से अखिलेश यादव को फायदा मिला है। ममता त्रिपाठी ने कहा पहले 325 सीटें आ रही थी और अब 250 के आसपास है। अखिलेश ने टिकटों के बंटवारे को लेकर कई विधानसभाओं में गलती की है। 2017 के मुकाबले में सपा फायदे में है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

4पीएम में खबर छपने के बाद भाजपा विधायक के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज

» चुनाव में वोटों की खातिर छात्राओं को स्कूटी बांटने का था आरोप

अमित कुमार श्रीवास्तव

यूपी चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा विधायक ने 40 बेटियों को बांटी स्कूटी

4PM खबर का असर

प्रयागराज। कौशांबी में चायल से भाजपा विधायक संजय गुप्ता आचार संहिता के उल्लंघन में फंस गए हैं। 40 छात्राओं को स्कूटी बांटने के मामले में चुनाव आयोग ने उन्हें तलब किया है। फिलहाल उन्होंने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है, वे मामले में पूरी तरह से मौन है। कोखराज थाना क्षेत्र के परसरा स्थित केपीएस ग्राउंड में छात्राओं को रिद्धि सिद्धि ट्रस्ट की ओर से 40 स्कूटी का वितरण किया गया था।

4पीएम ने इस खबर को प्रमुखता से उठाया तो चुनाव आयोग ने इस मसले को गंभीरता से लिया। इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए चायल विधानसभा के उड़न दस्ता दल के प्रभारी ने भाजपा विधायक संजय गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आचार संहिता लागू होने के बावजूद चायल के भाजपा विधायक संजय गुप्ता ने ट्रस्ट की ओर से रानी लक्ष्मीबाई सम्मान प्रतियोगिता का आयोजन किया था। बीते दिनों प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी छात्राओं को 40 स्कूटी का वितरण किया गया। छात्राओं के घर-घर जाकर उन्हें स्कूटी पहुंचाई गई। 4पीएम में खबर छपने के बाद निर्वाचन अधिकारी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उड़न दस्ता दल के प्रभारी लोनिवि के अवर अभियंता मनोज सिंह ने जांच की तो आचार संहिता का उल्लंघन का मामला पाया गया। टीम प्रभारी ने बताया कि विधायक संजय गुप्ता के खिलाफ कोखराज थाने में केस दर्ज कराय गया है। मामले में जांच जारी है।

कैबिनेट मंत्री नंदी ने खुलेआम उड़ाई आदर्श आचार संहिता की धज्जियां

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग अगले महीने होनी है लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मंत्री अभी से लोगों को रिझाने में जुट गए हैं । योगी सरकार के कद्दावर कैबिनेट मंत्रियों में से एक नंद गोपाल गुप्ता नंदी वोटरों से अपने पक्ष में करने के लिए रात-दिन जन संपर्क में जुट गए हैं। नंदी शहर के दक्षिणी इलाके में लोगों के घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। क्षेत्र की महिलाएं हो या पुरुष सबको लुभाने के लिए एक कपड़े का थैला और कैलेंडर अपने हाथों से दे रहे हैं। थैलों पर प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर चस्पा है तो वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर। बीच में कमल का निशान व नीचे अपनी व अपनी पत्नी मेयर अभिलाषा गुप्ता नंदी की फोटो लगी हुई हैं। थैले के जरिए वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए प्रयास किया जा रहा हैं। वहीं खुलेआम आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई जा रही लेकिन चुनाव आयोग के आंख में पट्टी बांध कर बैठ गया है। इस मामले में

घर-घर जाकर बाट रहे हैं भाजपा का थैला

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शशांक त्रिपाठी का कहना है कि मंत्री लोगों को थैले व कैलेंडर के मार्फत भोली-भाली जनता को लुभाने का प्रयास किया जा रहा जो आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उलंघन है। जिला निर्वाचन अधिकारी से आग्रह है कि नंदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाए। ताकि कोई भी व्यक्ति आचार संहिता का उलंघन न कर सके।

विधानसभा चुनाव में जाति और धार्मिक मुद्दे हावी : राकेश टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने प्रयागराज में कहा कि राष्ट्रीय चिंतन शिविर में किसानों के तमाम मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस समय धान खरीद का बहुत बड़ा मुद्दा है। इसे लेकर गहनता से मंथन होगा। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव पर किसान मुद्दों से अधिक जाति और धार्मिक मुद्दे हावी हैं।

हिंदू, मुस्लिम और जिन्ना का राग अलापा जा रहा है। यह सब सिर्फ 15 मार्च तक ही चलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रहे चुनाव से उन्हें कोई मतलब नहीं है। जो जिसे वोट देना चाहता है उसे दे। कहा कि सरकार चाहे जिसकी बने लेकिन विपक्ष को मजबूत होना चाहिए। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत प्रयागराज पहुंचे। बमरौली एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया। भारतीय किसान यूनियन के परेड मैदान पर आयोजित तीन दिवसीय चिंतन शिविर में वे भाग लेंगे। यूनियन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और किसानों के साथ वे तमाम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। साथ ही किसानों की हक की लड़ाई लड़ने के लिए रणनीति बनाएंगे। चुनावी मौसम में किसानों के इस चिंतन शिविर को काफी अहम माना जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का दिल्ली से प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पर आगमन हुआ। यहां से वे सीधे परेड मैदान में चिंतन शिविर में पहुंचेंगे। 16 से 18 जनवरी तक चलने वाले चिंतन शिविर में चरणबद्ध तरीके से मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसमें सर्वप्रथम मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) पर चर्चा होगी। किसान इसे सबसे बड़ा मुद्दा मनाते हैं। इसके अलावा धान खरीद में हो रही मनमानी और किसानों के शोषण का मुद्दा भी उठाया जाएगा।

बागपत की छपरौली सीट पर रालोद ने बदला प्रत्याशी

» प्रोफेसर अजय कुमार को बनाया प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित अग्रवाल ने बताया कि रालोद ने अपने गढ़ में अचानक बड़ा परिवर्तन कर दिया है। बागपत की छपरौली विधानसभा सीट पर रालोद ने अपना प्रत्याशी बदल दिया। पूर्व एमएलए वीरपाल राठी का टिकट काटकर पूर्व एमएलए प्रोफेसर अजय कुमार को अपना नया प्रत्याशी बनाया है।

बता दें कि दो दिन पहले वीरपाल राठी को प्रत्याशी घोषित किया था। बताया जा रहा है कि

पूर्व एमएलए वीरपाल राठी को टिकट देने का विरोध चल रहा था। इस वजह से अपने ही क्षेत्र में वीरपाल को कमजोर प्रत्याशी माना जा रहा था। यूपी विधानसभा चुनाव में योगी ने गोरखपुर से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद अब अखिलेश भी चुनाव लड़ेंगे। फिलहाल वह कहां से चुनाव लड़ेंगे, ये बात साफ नहीं हो सकी। बता दें कि वर्तमान समय में वो आजमगढ़ से सांसद हैं। अखिलेश अगर विधानसभा चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें लोकसभा की सदस्यता छोड़नी होगी।

गोवा में पालेकर होंगे आप के सीएम उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोवा में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) भी पूरी तैयारी के साथ उतर रही है। आप ने सीएम उम्मीदवार के नाम को लेकर अपने पत्ते खोल दिए हैं। आप ने अमित पालेकर को विधानसभा चुनाव के लिए सीएम उम्मीदवार बनाया है। दिल्ली के सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उनके नाम का ऐलान किया है। उधर, आप ने पंजाब में भगवंत मान को मुख्यमंत्री चेहरा बनाया है। अरविंद केजरीवाल ने इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पब्लिक वोटिंग के जरिए इसका फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि 21 लाख से अधिक पंजाब के लोगों ने पब्लिक वोटिंग में अपना मत दिया, जिसमें से 93.3 फीसदी ने भगवंत मान का नाम लिया।

बीजेपी में ही बहू-बेटियां सुरक्षित : राजू श्रीवास्तव

» कामेडियन ने मुलायम सिंह परिवार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में आए दिन नई तस्वीरें निकलकर सामने आ रही हैं। राजनीतिक पार्टियों के नेता आए दिन पाला बदल रहे हैं। कोई बीजेपी को छोड़कर सपा का दामन थाम रहा है तो कोई सपा को ही बाय-बाय कर रहा है। यह उठापटक जारी है। आज समाजवादी को तगड़ा झटका लगा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव आज बीजेपी में शामिल हो गईं। अपर्णा यादव के बीजेपी में शामिल होते ही हास्य कलाकर राजू श्रीवास्तव की प्रतिक्रिया आई है।

उन्होंने अपर्णा यादव के इस कदम को समझदारी बताया है। राजू श्रीवास्तव कहते हैं कि यार सौ की सीधी बात, बीजेपी में ही बहू-बेटियां सेफ हैं... बीजेपी में बहू-

बेटियां सुरक्षित हैं। इसीलिए मुलायम सिंह की बहू अपर्णा यादव जी बीजेपी में आ गईं। इसे कहते हैं समझदारी। आपको बता दें किह दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुईं हैं। इस दौरान अपर्णा यादव ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का धन्यवाद करती हूं। उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और अनिल बलूनी का धन्यवाद करती हूं। मैं प्रधानमंत्री जी से पहले से ही प्रभावित रहती थी, मेरे लिए सर्वप्रथम राष्ट्र है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।